GENERAL STUDIES (Module – 1)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	**DTVF/19 (N-M)–M–GS11**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Devendra Prakash Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** XXX

Center & Date: Delhi 5 01/07/2019 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्याकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. भारत में आतंकी वित्तपोषण तथा धनशोधन का सामना करने में वित्तीय कार्रवाई कार्य-बल (एफ.ए.टी.एफ.) की भूमिका पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the role of Financial Action Task Force (FATF) in combating terror financing and money laundering in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

FATF एक अंतर-सरकारी निकाय है, जिसकी स्थापना 1987 में आतंकी वित्तपोषण को नियंत्रित करने के लिए हुई थी।

FATF के कार्य:

→ किसी राज्य/राष्ट्र द्वारा आतंकी वित्तपोषण एवं धनशोधन संबंधी निर्देशों की अनुपालना नहीं किये जाने पर उसे ब्लैक लिस्ट एवं ग्रे-लिस्ट में शामिल करना।

भारत पर प्रभाव:

→ भारत में राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों की पहचान करने में FATF की कार्यवाही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

→ जम्मू एवं कश्मीर में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर नियंत्रण में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ सदस्य राष्ट्रों एवं अन्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले धनशोधन को नियंत्रित किया जा सकता है - (सूचना आदान-प्रदान द्वारा)

→ हाल ही में पाकिस्तान को FATF द्वारा ग्रे-लिस्ट किया गया। इससे पाकिस्तान सीमा पार आतंकी गतिविधियों को समाप्त करने के लिए बाध्य होगा।

इस प्रकार FATF द्वारा आतंकी वित्तपोषण एवं धनशोधन पर ठोस कार्यवाही ने भारत में होने वाली इस तरह की गतिविधियों पर एक अप्रत्यक्ष लगाम लगाई है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. भारत में सार्वभौमिक बुनियादी आय (यू.बी.आई.) व्यवहार्य है क्योंकि इसे अपेक्षाकृत निम्न आय स्तर पर नियत करने पर भी व्यापक स्तर पर लाभ संभव है। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

In India, Universal Basic Income (UBI) is feasible because it can be pegged at relatively low levels of income but still yield immense welfare gains. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सार्वभौमिक बुनियादी आय से तात्पर्य उस न्यूनतम आय से है, जो प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के राज्य/सरकार द्वारा प्रदान की जाती है।

भारत में UBI के लाभ

→ अधिकांश लोग कृषि पर निर्भर है तथा कृषि की मानसून पर निर्भरता है, इससे अकाल की स्थिति में आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

→ ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की खराब स्थिति को सुधारने में सहायता प्राप्त हो सकती है क्योंकि इससे परिवार की व्यय क्षमता एवं खान-पान के स्तर में सुधार होगा।

→ बढ़ रही आर्थिक विषमता एवं बेरोजगारी पर काफी हद तक नियंत्रण लगाने में सक्षम है।

→ विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं के लीकेज एवं अतिव्यापन की समस्या से का समाधान हो सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

UBI के विपक्ष में

→ महिलाओं के पक्ष में नहीं है क्योंकि पितृसत्ता के कारण धन का दुरुपयोग संभव।

→ धन का अनर्गल कार्यों में खर्च होने से कुपोषण की स्थिति गंभीर हो सकती है।

→ इसके लिए धन की आवश्यकता अधिक होगी।

निष्कर्ष - UBI एक सकारात्मक पहलू है तथा भारत को निम्न आय ट्रैप एवं आर्थिक विषमता के ट्रैप से निकालने में मदद कर सकता है किन्तु इसे धीरे-धीरे लागू किया जाना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

3. प्रभावी सीमा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी किस प्रकार भूमिका निभा सकती है, स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain how technology can play a role in effective border management. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान समय में सीमा पार आतंकवाद एवं अवैध प्रवासियों की समस्या से निपटने के लिए सीमा प्रबंधन के लिए तकनीकी का प्रयोग एक आवश्यकता बन गई है।

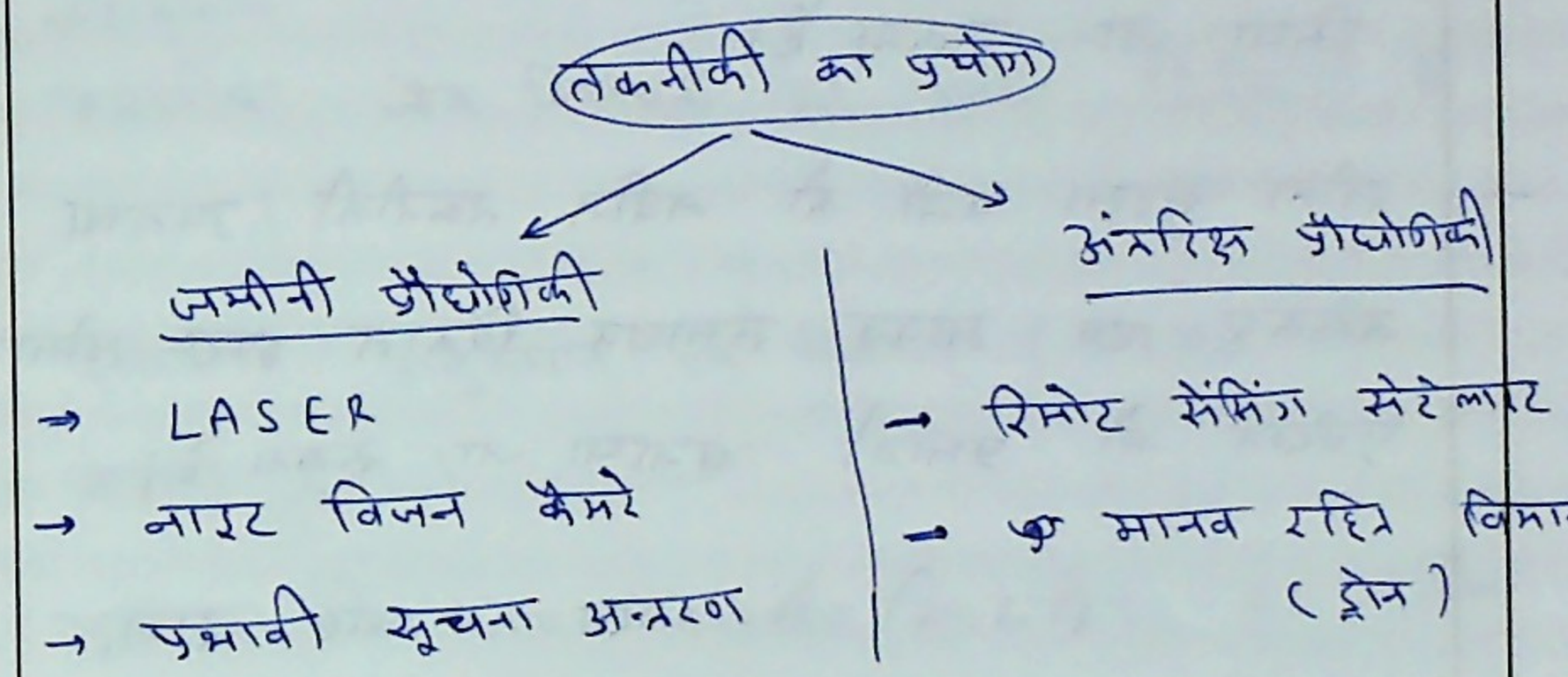

प्रौद्योगिकी के लाभ -

→ पश्चिमी सीमा की व्यापकता के कारण सम्पूर्ण क्षेत्र में एक साथ निगरानी संभव नहीं हो पाती ऐसे में अंतरिक्ष तकनीकी तथा LASER के द्वारा निगरानी की जा सकती है।

→ सीमावर्ती क्षेत्रों में जटिल भौगोलिक स्थिति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

A3

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this ma[rgin])

से निपटने के लिए ड्रोन के द्वारा निगरानी की जा सकती है।

→ ग्राम क्षेत्रों में रोबोट के द्वारा भी निगरानी संभव है।

→ वर्तमान प्रौद्योगिकी जैसे - AI, आदि के द्वारा सीमापार गुप्त संदेशों को Decode किया जा सकता है।

→ सीमा सुरक्षा बलों को नवीन तकनीकी उपलब्ध कराकर एवं मानव संसाधन विकास द्वारा सीमा प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सकता है।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा जम्मू एवं कश्मीर में ~~CIBM~~ कम्पोजिट एवं इंटीग्रेटेड बार्डर मैनेजमेंट सिस्टम को लागू किया गया है।

निष्कर्ष - इस प्रकार स्पष्ट है कि तकनीकी का प्रयोग न केवल मानव संसाधन की कमी की पूर्ति करेगा बल्कि इसकी प्रभाविता को भी बढ़ाएगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भारत के स्वास्थ्य मानकों में परिवर्तन की इसकी क्षमता पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Highlighting the objectives of the National Biopharma Mission, discuss its potential in transforming the health standards of India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में भारत सरकार द्वारा I3 (Innovate In India) मिशन के नाम से राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन को शुरू किया।

उद्देश्य -

→ स्थानीय जैव विविधता का प्रयोग चिकित्सा में बढ़ाना।

→ स्थानीय अनुसंधान एवं विकास (R&D) को बढ़ावा देना।

→ पूर्वोत्तर की जैव विविधता का दोहन कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रयोग को बढ़ावा देना।

प्रभाव -

→ राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के द्वारा स्थानीय बीमारियों का सस्ता एवं सफल इलाज संभव है।

→ इसके द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

संभव है. ताकि रोगाणुओं का दवा प्रतिरोधी होने की क्षमता को रोका जा सके।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) भूमिका परिवर्तन का कारण बनेगी, ज़रूरी नहीं कि रोज़गार हानि का कारण बने। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Artificial Intelligence (AI) will cause role changes, not necessarily job losses. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तात्पर्य ऐसी प्रौद्योगिकी से है, जो मानव की तरह कार्य करे तथा स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हो।

हाल ही में AI के संदर्भ में अनेक विशेषज्ञों ने अलग-अलग राय दी है, जिनमें WEF के द्वारा जारी रिपोर्ट 'The Future of Jobs' में कहा गया है कि AI के द्वारा कुछ मात्रा में रोजगार नष्ट होंगे किन्तु उससे अधिक रोजगार सृजित होंगे।

भूमिका परिवर्तनकारी के रूप में AI :-

→ वर्तमान में कंपनियों में कार्य करने वाले Data Analysis का कार्य AI के द्वारा किया जाने लगेगा, ऐसे में ये Data Analysis केवल निर्देश देने की भूमिका में होंगे।

→ घर में कार्य करने वाले घरेलू कामगारों के स्थान पर ऐसे रोबोट का उपयोग किया जाएगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जो स्वयं निर्णय लेने में सक्षम होंगे। इस प्रकार यह रोजगार हानि का कारण भी होंगे।

किन्तु AI के द्वारा अधिकांश वे कार्य किये ~~जायेंगे~~ जायेंगे, जो किसी विशिष्ट मानव रचनात्मकता की आवश्यकता महसूस नहीं करते। इससे मानव की भूमिका में परिवर्तन होगा तथा वह कर्ता से निर्देशक के रूप में स्थापित होगा।

निष्कर्ष- सारांशतः स्पष्ट है कि AI का सकारात्मक उपयोग मानव सभ्यता के विकास को नवीन आयाम प्रदान करेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must n[ot] write on this marg[in])

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. भारत में मेथनॉल आधारित अर्थव्यवस्था के महत्त्व की विवेचना कीजिये। इसकी क्षमता के दोहन में शामिल चुनौतियाँ क्या हैं? (150 शब्द) 10

Discuss the significance of methanol based economy for India. What are the challenges involved in tapping its potential? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मेथेनॉल आधारित अर्थव्यवस्था से आशय ईंधन के रूप में मेथेनॉल का प्रयोग बढ़ाने से है।

महत्व

→ भारत सरकार के पेरिस सम्मेलन में हस्ताक्षरित INDC की प्राप्ति में संभव होगा। क्योंकि जीवाश्म ईंधन में इसका मिश्रण कम मात्रा में कार्बन उत्सर्जक है।

→ भारत की ऊर्जा सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि वर्तमान में क्रूड आयात पर बाहरी निर्भरता ~~अधिक~~ है।

→ भारत के व्यापार घाटे में कमी को सुनिश्चित करेगी क्योंकि मेथेनॉल का निर्माण अपेक्षाकृत सस्ता है।

$CH_4 + H_2O \longrightarrow CH_3OH + H_2\uparrow$

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

चुनौतियाँ -

→ प्राकृतिक गैस पर भी विदेशी निर्भरता है।

→ वर्तमान में भारत के पास पर्याप्त प्रौद्योगिकी का अभाव है, जो जीवाश्म ईंधन के साथ मिश्रण को बढ़ा सके।

→ पर्याप्त मात्रा में मेथेनॉल की उपलब्धता नहीं है।

निष्कर्ष इस प्रकार स्पष्ट है कि मेथेनॉल इकोनॉमी भारत को न केवल ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करेगी, बल्कि आर्थिक स्थायित्व एवं पर्यावरणीय दक्षता की प्राप्ति में भी मददगार होगी।

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mus
write on this ma

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. भारत की शीतलन कार्य-योजना (आई.सी.ए.पी.) की शुरुआत भावी शीतलन आवश्यकताओं को संबोधित करने हेतु एक साहसिक प्रतिक्रिया क्यों है? स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain why the launch of the India Cooling Action Plan (ICAP) is a bold response to addressing India's future cooling needs? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शीतलन कार्य योजना का उद्देश्य भारत में ~~आ~~ कोल्ड स्टोरेज में / शीतकों में खर्च ऊर्जा एवं निष्कासित GHG को कम करना है।

चूँकि भारत सरकार आगामी 30 वर्षों में आधारभूत संरचना का निर्माण करने की ओर अग्रसर है. ऐसे में भविष्य के मानक निर्धारण आवश्यक है।

लक्ष्य

→ 2047 तक शीतलन ~~क्षे~~ में होने वाली ऊर्जा में कमी करना।

→ 2047 तक GHG का उत्सर्जन कम करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

8. आपदा जोखिम न्यूनीकरण सामाजिक व आर्थिक विकास का एक अभिन्न अंग है तथा यह दीर्घकालिक विकास हेतु आवश्यक है। हाल ही में भारत में आई प्राकृतिक आपदाओं को ध्यान में रखते हुए चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Disaster risk reduction is an integral part of social and economic development, and is essential if development is to be sustainable. Discuss in view of the recent natural disasters in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आपदा वे प्राकृतिक घटनाएं होती है, जो सामाजिक- आर्थिक अवसंरचना को नुकसान पहुँचाती है।

चूंकि आपदाओं को आने से नहीं रोका जा सकता क्योंकि यह प्राकृतिक घटना है किन्तु इसके प्रभावों में कमी की जा सकती है।

चूंकि आपदा प्रभावित क्षेत्र की आर्थिक अवसंरचना को नुकसान पहुँचता है। जैसे हाल ही में केरल में आई बाढ़ तथा फानि चक्रवात के द्वारा अवसंरचना को बेहद नुकसान पहुँचा।

ऐसे में दीर्घकालीन विकास सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि पर्यावरण के अनुकूल एवं सम्पोषणीय विकास को बढ़ावा दे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mus
write on this ma

प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए भारत सरकार द्वारा सेंडाई फ्रेमवर्क तथा ब्रिक्स की उदयपुर घोषणा को अपनाया गया है।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण :-

आपदा से पूर्व	आपदा के दौरान	आपदा पश्चात
→ प्रभावी सूचना	→ स्वास्थ्य सुविधाएँ	→ अवसंरचना का पुनर्विकास
→ मानव संसाधन को उपयुक्त स्थान पर पहुँचाना	→ राहत कार्य	
→ अवसंरचना का विकास		
→ प्रशिक्षण		

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. हरित वित्तपोषित पारिस्थितिकी का विकास एवं अनुसरण भारत के हित में है। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

It is in India's interest to develop and pursue a strong green financing ecosystem. Elucidate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र के सम्पोषणीय विकास के लिए आवश्यक है कि जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने का प्रभावी तंत्र उपस्थित हो।

IPCC की रिपोर्ट के अनुसार भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति संवेदनशील राष्ट्रों में सर्वाधिक सुभेद्य है। ऐसे में ऐसी अवसंरचना का विकास आवश्यक है, जो सतत विकास लक्ष्यों के अनुकूल हो।

हरित वित्तपोषण के द्वारा अवसंरचना विकास के द्वारा होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम किया जा सकता है। साथ ही विदेशी सहायता की भी प्राप्ति संभव है।

सतत विकास लक्ष्यों में SDG-9, SDG-11, SDG-13, SDG-14 एवं SDG-15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this marg[in])

किसी न किसी स्तर पर हरित विनिर्माण को संदर्भित करते हैं।

चूंकि विकास के द्वारा ही आर्थिक-सामाजिक क्षेत्र मे प्रगति संभव है किन्तु यह पर्यावरण को न्यूनतम क्षति पहुँचाएं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारतीय अर्थव्यवस्था औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र से अधिक एक सुदृढ़ ग्रामीण एवं कृषि संवृद्धि पर निर्भर करती है। पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

Indian economy depends on a robust rural and agricultural growth more than industrial production and service sector. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~भारतीय अर्थव्यवस्था में~~

ऑक्सफैम की रिपोर्ट 'रिवार्ड वर्क नॉट वर्थ' के अनुसार भारत में लगातार असमानता बढ़ रही है। ऐसे में समावेशी विकास के लिए ग्रामीण क्षेत्र को मजबूती आवश्यक है।

औद्योगिक उत्पादन एवं सेवा क्षेत्र में समस्या

→ भारत में रोजगारविहीन संवृद्धि का कारण

→ श्रम गहन की अपेक्षा पूँजी गहन उद्योग होना।

→ विदेशी FDI का 70% आकर्षित करना।

सुदृढ़ ग्रामीण एवं कृषि संवृद्धि की आवश्यकता -

→ भारत की 68% जनसंख्या गाँवों में निवास करती है, तथा 50% श्रम बल कृषि पर निर्भर है।

→ NSSO के सर्वे के अनुसार 52% किसान ऋणग्रस्त है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

समाधान

→ कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दिया जाये।

→ आधारभूत अवसंरचना का विकास किया जाये।

→ कि ग्रामीण क्षेत्र में और कृषि गतिविधियों को संचालित किया जाये।

चूंकि भारत की संवृद्धि श्रमगहन उद्योगों पर निर्भर है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों की सुदृढ़ता एवं कृषि का विकास ही इसका हल है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. बैंकों के विलय संबंधी सरकार की कार्यवाही से तात्कालिक लाभ प्राप्त हो सकता है, परंतु इससे प्रमुख प्रणालीगत चुनौतियाँ अनिर्णीत रह जाती हैं। हाल में हुए बैंकों के विलय के आलोक में चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

The government's move to amalgamate banks may have immediate gains but leaves key systemic challenges unresolved. Discuss in view of the recent bank mergers. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में भारत सरकार द्वारा SBI तथा उसके सहयोगी बैंकों का विलय तथा बैंक ऑफ बड़ौदा में भी दे अन्य बैंकों का विलय किया।

बैंक विलय के तात्कालिक लाभ :-

→ अर्थव्यवस्था को वित्तीय समावेशन से युक्त करने में सहायता मिलती है, क्योंकि इससे शाखाओं का अतिव्यापन उन्हे स्थानान्तरित करने का कारण बनता है।

→ बैंकों में बढ़ते NPA को नियंत्रित किया जा सकता है, क्योंकि अच्छे प्रबंधन वाले बैंको के द्वारा अप्रभावी प्रबंधन को संभाला जाता है।

→ कम NPA वाले बैंको का विलय अधिक NPA वाले बैंकों में करने से क्रेडिट रेटिंग में सुधार संभव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ एक बड़े बैंक का निर्माण अर्थव्यवस्था में अधिक ऋण प्रवाह सुनिश्चित करता है।

~~सरकार द्वारा~~ एवं

→ बड़े बैंक का निर्माण विदेशी सहायता / उधार की प्राप्ति करने में सहायक।

दीर्घकालिक चुनौतियाँ :-

→ यदि NPA की समस्या निरन्तर जारी रही, तो भविष्य में एक आर्थिक संकट की स्थिति।

→ बड़े बैंक (D-SIB) का आर्थिक संकट से जूझना अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकता है।

→ इससे बैंकों के प्रबंधन में व्याप्त प्रणालीगत चुनौतियों जैसे- NPA के बढ़ने के कारण, ऋण वितरण संबंधी नियमों का पालन नहीं करना, आदि पर ध्यान नहीं दिया जाता है, जिससे ये समस्याएं निरन्तर बनी रहती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निष्कर्ष -

इस प्रकार स्पष्ट है कि बैंक विलय में कई तात्कालिक लाभ निहित है, किन्तु मूल समस्या प्रणालीगत चुनौतियों को उबारने की है, तभी बैंक विलय सफल हो सकेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

12. भारत की नागरिक एवं सैन्य अंतरिक्ष आवश्यकताओं के मध्य अंतर चयन की अपेक्षा अनिवार्यता की देन है। मिशन शक्ति के संदर्भ में स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

India's distinction between civilian and military space requirements are borne out of necessity rather than choice. Explain in context of Mission Shakti. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) अंतरिक्ष क्षेत्र में लगातार भारत की उपस्थिति दर्ज करा रहा है। ~~किन्तु~~ भारत द्वारा घोषित रूप में नागरिक प्रयोजन एवं अघोषित रूप में सैन्य प्रयोजन में इसका उपयोग किया जा रहा है।

सैन्य प्रयोजन का कारण

→ मिनिमम डिटेरेंस के रूप में, अर्थात् न्यूनतम क्षमता को प्राप्त करना ताकि भविष्य में उपयोग।

→ पड़ोसी राष्ट्रों द्वारा (चीन) अंतरिक्ष क्षेत्र में लगातार प्रतिस्पर्धा, भारत को एक संभावित खतरे का सूचक है।

→ पाकिस्तान द्वारा सीमापार आतंकवाद को लगातार समर्थन देना।

हाल ही में मिशन शक्ति के द्वारा भारत ने अंतरिक्ष में अपने उपग्रह को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

नष्ट करने की क्षमता प्राप्त की।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मिशन शक्ति का महत्व :

→ 2007 में चीन द्वारा ऐसे ही प्रयोग ने भारत को अपने संचार उपग्रहों की सुरक्षा के संदर्भ में एक डिटेरेंस को विकसित करने के लिए बाध्य किया।

मिशन शक्ति जैसे प्रयोगों की वर्तमान में अनिवार्यता

→ आने वाले भविष्य में युद्ध प्रत्यक्ष न होकर अप्रत्यक्ष रूप से होंगे, ऐसे में विदेशी राष्ट्रों द्वारा संचार उपग्रहों को नष्ट करके एक तरह की आपात स्थिति उत्पन्न की जा सकती है।

इसी स्थिति से निपटने के लिए एक न्यूनतम प्रतिरोध के रूप में समान सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए परमाणु बम के संदर्भ में न्यूनतम प्रतिरोध की उपस्थिति ने विश्व को परमाणु युद्ध के खतरे को कम किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसके अतिरिक्त भारत द्वारा स्वयं की नौवहन प्रणाली का विकास भी अनिवार्यता की देन है क्योंकि 1999 में कारगिल युद्ध में पाकिस्तान के सैनिकों संबंधी जानकारी साझा करने में अमेरिका ने मना कर दिया था।

निष्कर्ष - इस प्रकार स्पष्ट है कि न्यूनतम प्रतिरोध शक्ति की अनिवार्यता ने भारत को अंतरिक्ष में एक अग्रणी स्थान प्रदान किया।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में भारत के ग्रामीण संकट को सुगमता प्रदान करने की क्षमता है। समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Food processing industry has the potential to ease rural distress in India. Critically comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में वे सभी गतिविधियाँ सम्मिलित है, जो कृषि एवं पशुधन उत्पादों को उपभोग योग्य बनाती है। यह दो प्रकार की होती हैं

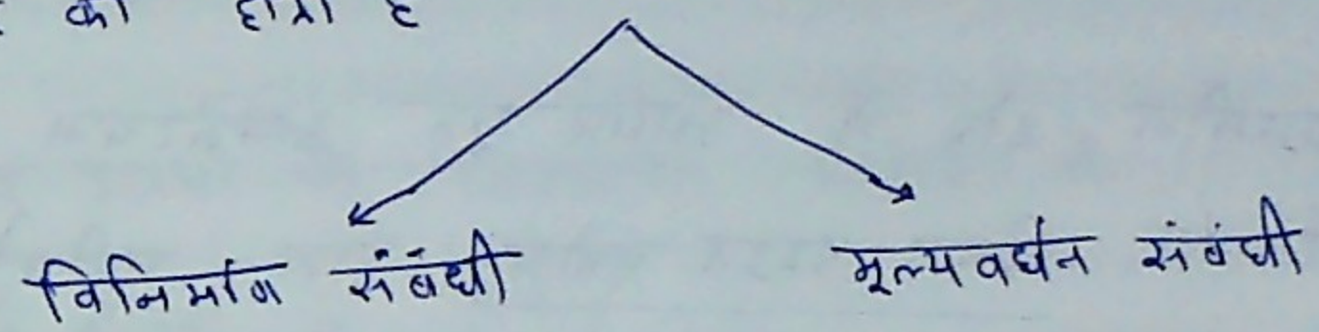

ग्रामीण संकट को दूर करने में योगदान :-

→ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का विनिर्माण GDP में 14% योगदान है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं का मूल्यवर्धन कर आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

→ ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी हुई बेरोजगारी को दूर कर और कृषि रोजगार में इसका योगदान संभव है, क्योंकि यह प्रत्यक्ष रूप में 13 मिलियन एवं अप्रत्यक्ष रूप में 33 मिलियन रोजगार सृजित करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

→ भारत में कृषि उत्पादन का 6% (खाद्यान्न) एवं 35% (फल एवं सब्जी) खराब हो जाता है, जो किसानों की आय में कमी का कारण बनता है। खाद्य प्रसंस्करण द्वारा इस समस्या का समाधान संभव है।

→ ग्रामीण क्षेत्र में आधारभूत अवसंरचना का निर्माण ट्रिकल डाउन एप्रोच द्वारा गरीबी निवारण में सहायक होगा।

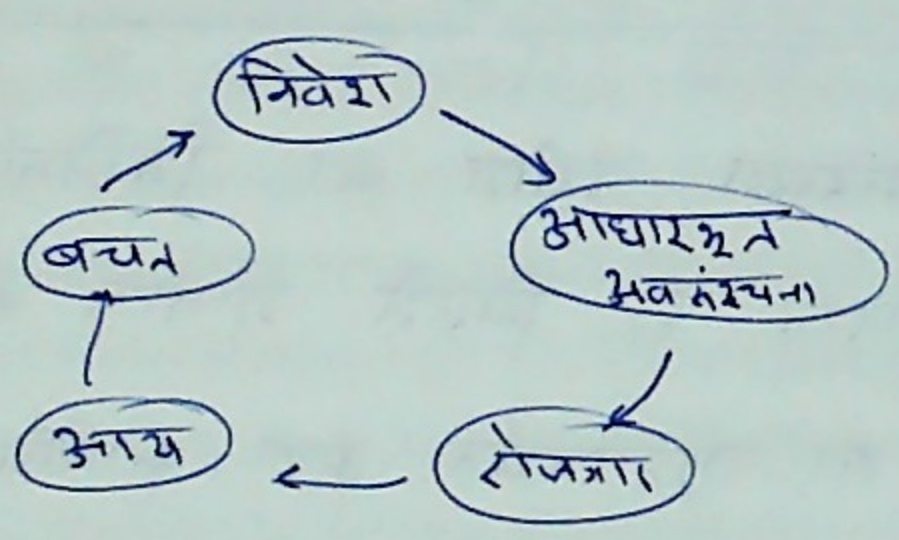

→ पोषण सुरक्षा

→ महिला सशक्तीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है क्योंकि श्रम गहन उद्योगों से डाउन एव अप लिंकेज होते हैं।

चुनौतियाँ -

→ खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों से संबंधित तकनीकी सीमितता का होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ किसानों द्वारा अनभिज्ञ हार्वेस्टिंग एवं जानकारी का अभाव।

→ APMC एक्ट के द्वारा प्रत्यक्ष विपणन एवं अनुबंधित कृषि को बढ़ावा नहीं देना, जिससे आपूर्ति श्रृंखला लंबी हो जाती है।

→ पर्याप्त मात्रा में सरकारी निवेश के कारण आपूर्ति श्रृंखला में निहित कमियाँ।

जैसे → ware house and cold house की कमी
→ परिवहन के स्तर पर साधनों का अभाव

(निष्कर्ष) हाल ही में भारत सरकार द्वारा मेगा फूड पार्क योजना, e-NAM, PM संपदा योजना आदि के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

14. भारत में विमानन क्षेत्र बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त है, परंतु यह विभिन्न मोर्चों पर कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारत के विमानन क्षेत्र में उभरती चिंताओं के कारणों को अभिनिर्धारित/चिह्नित कीजिये और उनके निवारण हेतु कुछ उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

The aviation sector in India remains largely untapped but faces many challenges on different fronts. Identify the reasons behind the brewing trouble in India's aviation sector and suggest some measures to redress the same. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं चाहिये।

(Candidate m

write on this

विमानन क्षेत्र परिवहन प्रणाली के दोनों अंगों जल परिवहन एवं स्थल परिवहन के पूरक के रूप में विकसित कर परिवहन की चुनौतियों को दूर किया जा सकता है।

भारत में विमानन क्षेत्र

→ भारत जैसे विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र वाले राष्ट्र में जहाँ स्थलाकृतिक चुनौतियों के कारण सड़क एवं जल परिवहन का विकास नहीं हो पाया है, वहाँ विमानन द्वारा परिवहन का विकास कर संसाधनों का समुचित दोहन किया जा सकता है।

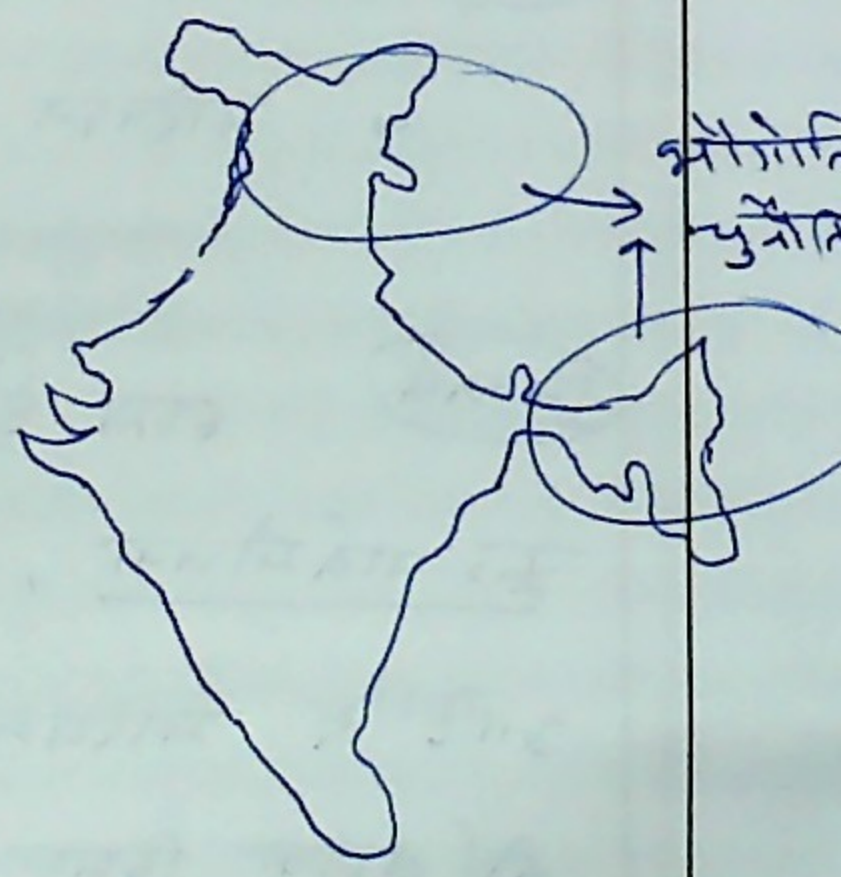

→ विमानन क्षेत्र के समक्ष चुनौतियाँ.

→ भारत में पर्याप्त संख्या में आधारभूत अवसंरचना का विकास नहीं होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ पर्याप्त मात्रा में वायुयानों का अभाव।

→ विमानन क्षेत्र का अधिक मात्रा में पूँजी गहन होना

→ ~~B~~ सड़क, रेल एवं जल परिवहन का अपेक्षाकृत सस्ता होना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चुनौतियों के कारण:

→ सरकार द्वारा निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन नहीं दिया जाना।

→ लोगों का आय का स्तर कम होना।

→ नीति-निर्माण में परिवहन के तीनों साधनों के मध्य पूरक संबंध बना पाने में विफलता।

→ रिसर्च एवं डवलपमेंट का अभाव।

चुनौतियों के निवारण के उपाय.

→ विमानन क्षेत्र को ~~विनीय~~ FRR की बजाय ERR को ध्यान में रखते हुये सरकार द्वारा निजी क्षेत्र को VGF (वायबल गैप फंडिंग)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

प्रदान करना।

→ मांग पक्ष को बढ़ाने के लिए सस्ती दरों पर सुविधाएं प्रदान करना।

→ आपूर्ति पक्ष को बढ़ाने के लिए पर्याप्त वायुयान, हवाई अड्डों को सुनिश्चित करना।

→ विदेशी निवेश आकर्षित करना।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना आरंभ की गई है ताकि इस क्षेत्र को भी पर्याप्त मात्रा में विकसित किया जा सके ताकि संसाधनों का अनुकूलतम दोहन किया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. स्वस्थ भारत की परिकल्पना जन-स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने तथा उपचारात्मक दृष्टिकोण से सुरक्षात्मक की ओर स्थानांतरित होने का आह्वान करती है। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

The vision for a healthy India calls for prioritizing public health and shifting the approach from being curative to preventive. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Health is wealth की तर्ज पर स्वास्थ्य क्षेत्र को विकसित करना आवश्यक है, क्योंकि यह आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है।

जन स्वास्थ्य को बढ़ाना क्यों आवश्यक?

→ भारत में अधिकांश जनसंख्या मध्यवर्ग से संबंधित है, जो सस्ते इलाज के लिए सरकार पर निर्भर है, ऐसे में बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध कराना सरकारी जिम्मेदारी है।

→ भारत में डॉक्टरों की कमी की पूर्ति करने के लिए बेहतर जन स्वास्थ्य प्रणाली आवश्यक है।

→ जनांकिकीय लाभांश का लाभ लेने के लिए बेहतर जन स्वास्थ्य प्रणाली आवश्यक है।

→ भारत में 70% मरीज out of pocket expenditure करते है, जिससे अनेक परिवार गरीबी रेखा से नीचे चले जाते है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार क
हाशिये में न
चाहिये।
(Candidate
write on thi

उपचारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता :-

भारत में अधिकांश मरीज बीमारी के पश्चात् उपचार कराते है, जिससे आर्थिक व्यय तो बढ़ता ही है, शारीरिक क्षमता पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है।

अतः खानपान संबंधी देखभाल, पोषण का पर्याप्त स्तर तथा योग आदि के माध्यम से बीमारी को होने से पूर्व ही नियंत्रित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के अन्य कदम :-

→ शहरी - ~~औ~~ ग्रामीण असमानता को समाप्त करना।

→ राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के अनुरूप GDP का 2.5% स्वास्थ्य पर खर्च करना।

→ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को सशक्त करना ~~तथा~~ तथा पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता।

→ स्वास्थ्य क्षेत्रों को पंचायतीराज से जोड़ना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निष्कर्ष चूंकि गरीबी, कुपोषण, जीवन प्रत्याशा एवं शिक्षा आदि को स्वास्थ्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दोनो तरह से प्रभावित करता है, ऐसे में इस क्षेत्र की मजबूती जनांकिकीय लाभांश के दोहन में सहायक हो सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी वैश्विक स्तर पर निम्नतर में से एक है। इसके पीछे विद्यमान सामाजिक व आर्थिक कारकों की पहचान कीजिये तथा उपचारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

The participation of women in the labour force in India is one of the lowest globally. Identify the social and economic factors behind this and suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate m… write on this…)

"श्रम बल में महिलाओं की पर्याप्त भागीदारी भारत की GDP में 27% की वृद्धि कर सकती है।"
यह शोध रिपोर्ट महिला श्रमबल के महत्व को स्पष्ट करती है।

भारत में महिला श्रमबल में भागीदारी लगातार कम हो रही है और लैंगिक असमानता सूचकांक में भारत की निम्न स्थिति का कारण भी है।

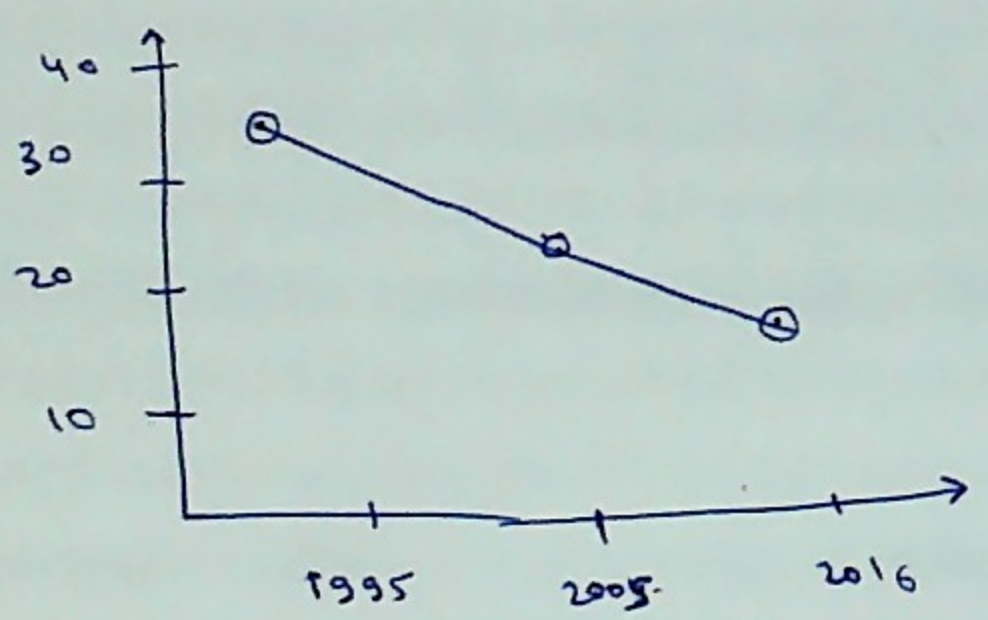

सामाजिक कारण -

① पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने से हतोत्साहित किया जाता है।

② महिलाओं में शिक्षा का स्तर कम है तथा ड्राप आउट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस के साथ बढ़ता है।

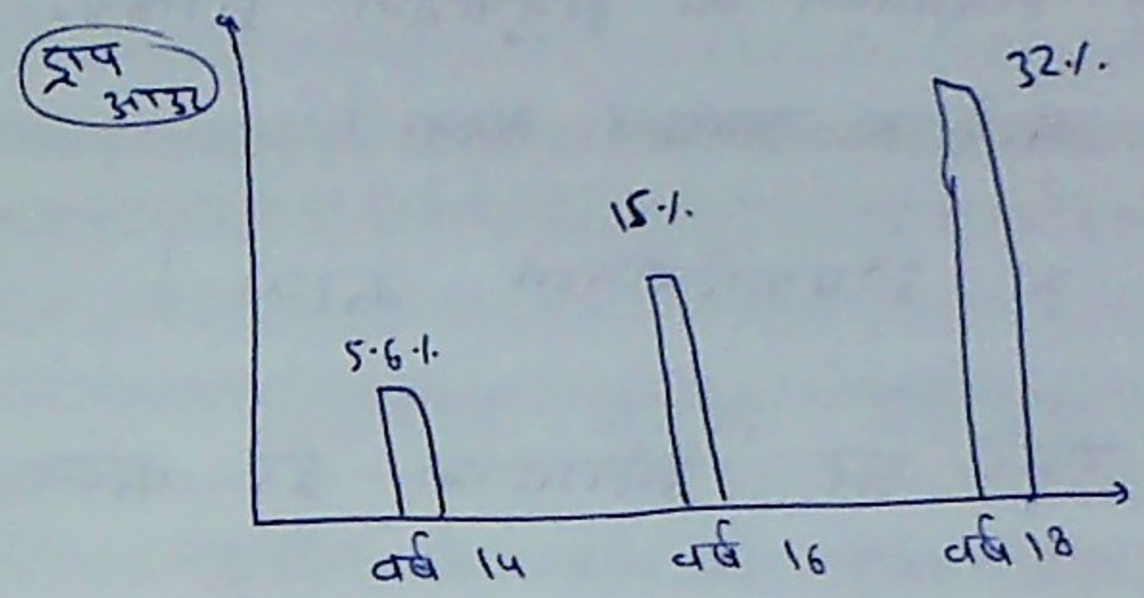

③ पारिवारिक जिम्मेदारी

आर्थिक कारण

① वेतन के स्तर पर असमानता का होना। एक शोध के अनुसार 25 से 50% तक असमानता विद्यमान है

② असंगठित क्षेत्र का अधिक होना, जिससे आय की अनिश्चितता रहती है।

③ कार्यस्थल पर मानवोचित दशा नहीं एवं लैंगिक अपराध।

④ मातृत्व लाभ देने से बचने के लिए कंपनियों द्वारा नियुक्ति नहीं करना।

समाधान के उपाय

① शिक्षा में ~~बच्चे~~ उपस्थित ड्राप आउट को दूर कर उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidate
write on th

② मातृत्व लाभ अधिनियम की अनुपालना असंगठित क्षेत्र के लिए भी करने का प्रावधान करना।

③ अर्थव्यवस्था का औपचारिकीकरण करना।

④ वेतन के स्तर पर असमानता दूर करना।

⑤ लैंगिक अपराधों पर तुरन्त कार्यवाही करना।

⑥ वर्क फ्रॉम होम को प्रोत्साहन।

⑦ SHG को बढ़ावा देना।

निष्कर्ष- श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार एवं समाज दोनों को सम्मिलित प्रयास करने की आवश्यकता है तभी सोने की चिड़िया के दोनो पंख समान रूप से ~~उड़कर~~ सहयोग देकर इसे ऊँचाई पर ले जायेंगे। और तभी SDG-5 की प्राप्ति होगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. प्लास्टिक अपशिष्ट के उत्पादन से पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। इस संबंध में सरकार द्वारा किये गए प्रयासों पर प्रकाश डालिये तथा कुछ अतिरिक्त उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

The generation of plastic waste poses a serious threat to the environment and human health. Highlight the initiatives taken by government in this regard and also suggest some additional measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्लास्टिक प्रदूषण वर्तमान में सबसे बड़ी समस्या के रूप में उभर रहा है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण 'ग्रेट पैसेफिक गार्बेज पेच' के रूप में उपस्थित है।

पर्यावरण पर खतरा

- जलीय जीवों में माइक्रोबीड्स के रूप में पहुंच कर खाद्य श्रृंखला को प्रदूषित करना।
- चूंकि अपघटन नहीं होता है अतः समुद्र में प्रदूषण को बढ़ाता है।
- कृषि योग्य भूमि की उत्पादकता में कमी।
- जलाने से उत्पन्न धुएं से धुंध की उत्पत्ति।
- जानवरों के खाने के कारण मृत्यु, जैव विविधता को खतरा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on t

मानव पर प्रभाव -

→ खाद्यान्न उत्पादन में कमी।

→ खाद्य श्रृंखला में प्रवेश से स्वास्थ्य पर खतरा।

सरकार द्वारा किये गये प्रयास

→ सिंगल यूजेबल प्लास्टिक कैरी बैग पर प्रतिबंध।

→ जागरूकता प्रसार के लिए 'पर्यावरण दिवस -2018 की थीम 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन'

→ उत्पादकों पर जिम्मेदारी डालना।

→ पुनरुपयोग को बढ़ावा देना।

→ 'ग्रीन गुड्स डीड्स' प्रोग्राम के द्वारा लकड़ी का उपयोग बढ़ाना

अन्य उपाय

→ 3R को बढ़ावा देना।

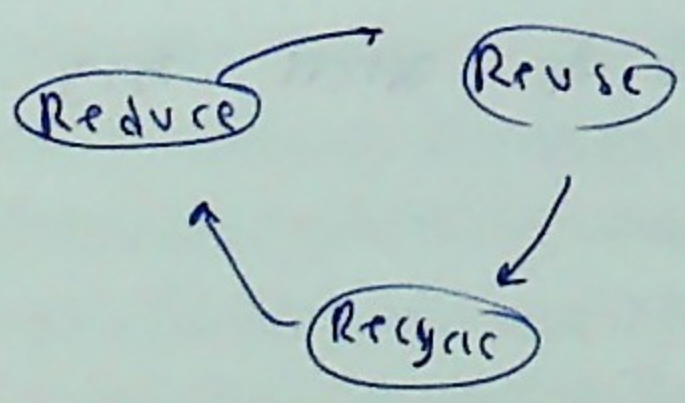

→ जनता को कपड़े का थैला प्रयोग के लिए जागरूक करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ वेस्ट टू एनर्जी को बढ़ावा देना।

→ SDG-14, SDG-15 को हासिल करना।
चूंकि प्लास्टिक वर्तमान में दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है, ऐसे में बिना विकल्प उपलब्ध कराये इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।

अतः R & D के द्वारा अपघटनीय प्लास्टिक का ~~उपयोग~~ विकास किया जाना चाहिए क्योंकि

"Be the Part of Solution not Pollution"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) में वृद्धि का प्रभाव पहुँच एवं बुनियादी सुविधाओं में आने वाली बाधाओं के परिणामस्वरूप सीमित रहता है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

उम्मीदवार हाशिये में चाहिये।
(Candida
write on

The impact of Minimum Support Price (MSP) hikes announced periodically by government remains limited due to constraints in reach and infrastructure facilities. Critically examine. (250 words) 15

न्यूनतम समर्थन मूल्य भारत सरकार द्वारा किसानों की उपज के बदले दिया जाने वाला मूल्य है, जिसे FCI के द्वारा खरीदा जाता है।

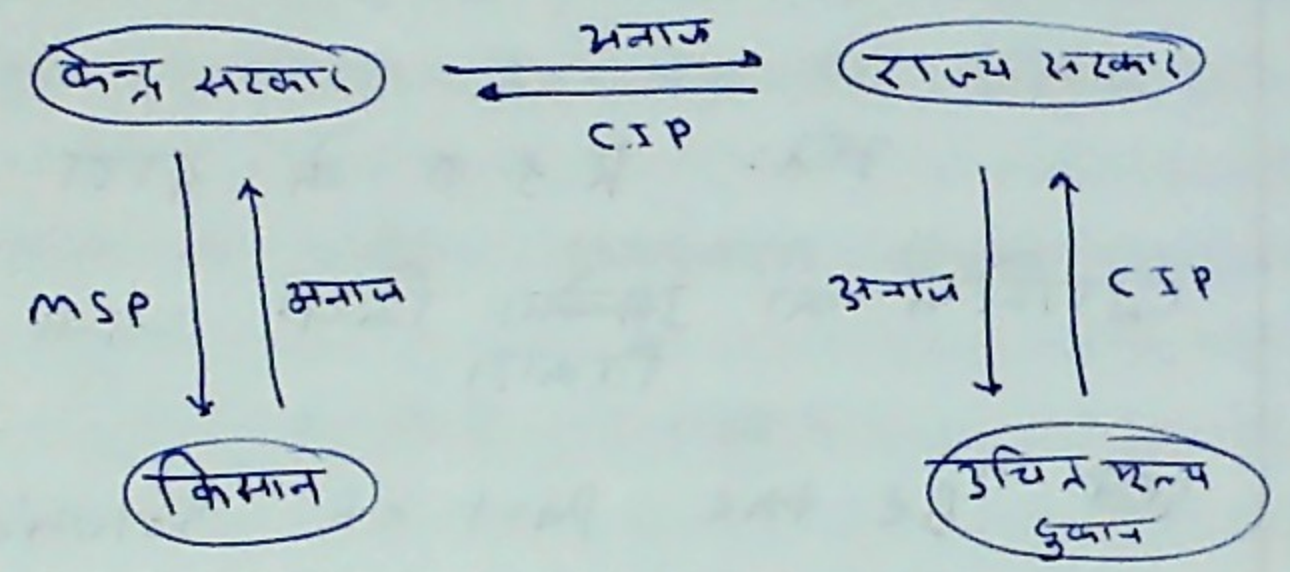

MSP का प्रभाव -

→ कृषि भारत में Engine of Growth है, अतः विकास में सहायक।

→ NSSO के सर्वे के अनुसार 52% किसान गरीब ग्रामीण है, अतः सामाजिक न्याय का उपकरण।

→ गरीबों को उचित मूल्य पर पोषण युक्त खाद्य उपलब्ध कराना। अतः पोषण सुरक्षा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

→ कॉपिंग पैटर्न को प्रभावी रूप से बदलना।
खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

MSP में समस्या -

→ नीति आयोग के अनुसार केवल 6% किसान ही MSP द्वारा लाभान्वित है तथा बुवाई से पूर्व केवल 10% किसानों तक ही जानकारी की पहुँच है।

→ MSP के लाभ में क्षेत्रगत विभिन्नता पाई जाती है, पूर्वोत्तर में केवल 1% किसान लाभान्वित।

→ परिवहन के साधनों का अभाव, सड़क अवसंरचना का अभाव आदि के कारण किसान बिचौलियों को कम दाम पर बेचने को मजबूर है।

समाधान के उपाय -

→ चूंकि सभी किसानो को MSP का लाभ असंभव है, अतः रमेशचन्द्र समिति की सिफारिशों को माना जाये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

→ किसानों तक पर्याप्त सूचना की पहुँच होनी चाहिए। तकनीकी का प्रयोग बढ़ाना चाहिए।

→ आधारभूत अवसंरचना का विकास करना चाहिए। इसके लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को प्रोत्साहन दिया जाये।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना (PM-AASHA) का आरंभ किया गया, जो MSP के लाभों से वंचितों को भावान्तर भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराएगा। साथ ही अन्य फसलों का भी उचित दाम दिलाने में मदद करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. केवल कृषि विपणन की पहेली का समाधान करके भारतीय किसानों के लिये हरित क्रांति को आय क्रांति में परिवर्तित किया जा सकता है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Only by solving the riddle of agriculture marketing can the transition from green revolution to income revolution happen for Indian farmers. Analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृषि विपणन प्रणाली में वे सभी प्रक्रिया सम्मिलित है, जिससे उत्पादन को खेत से। उपभोक्ता तक पहुँचाया जाता है।

कृषि विपणन प्रणाली के घटक :-

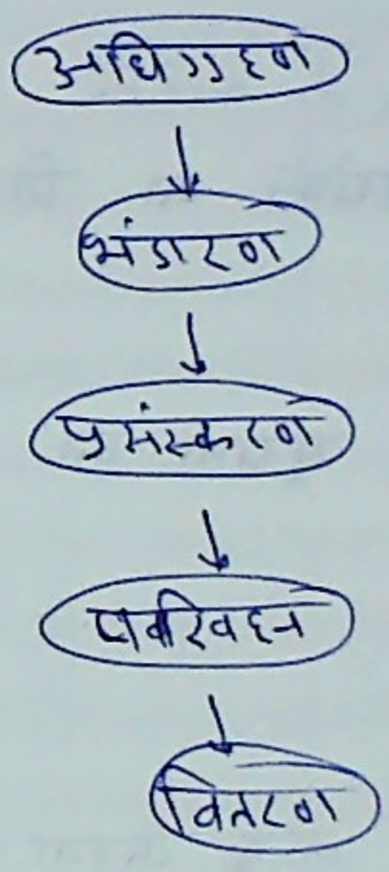

एक अच्छी विपणन प्रणाली में सम्मिलित तत्व :-

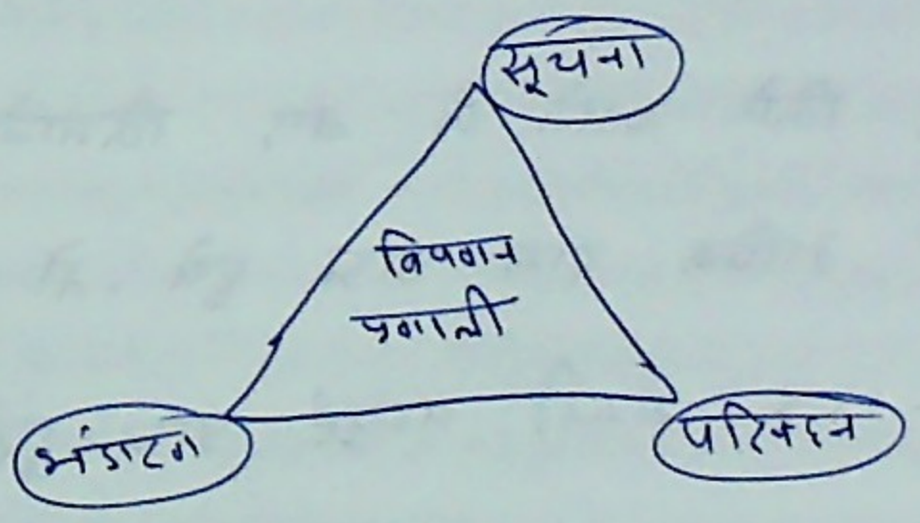

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

विपणन प्रणाली में समस्याएँ

→ पर्याप्त मात्रा में स्टोरेज एवं होल्डिंग कैपेसिटी का अभाव होना।

→ APMC एक्ट के द्वारा प्रत्यक्ष विपणन को बाधित करना। (उचित दाम नहीं मिल पाना)

→ परिवहन के साधनों का विकास नहीं। (AC ट्रक नहीं होना)

→ खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों का विकास नहीं हो पाना।

→ किसानों तक पर्याप्त सूचना का अभाव।

समाधान

→ प्रत्यक्ष विपणन को लागू करना।

केस स्टडी -- दक्षिणी कोरिया में प्रत्यक्ष विपणन को लागू किये जाने के बाद किसानों को 20-25% अधिक दाम प्राप्त हुये, तो वहीं उपभोक्ताओं को 12-15% सस्ती वस्तुएं प्राप्त हुई।

→ खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ पर्याप्त मात्रा में स्टोरेज कैपिसिटी का विकास करना।

निष्कर्ष इस प्रकार स्पष्ट है कि एक अच्छी विपणन प्रणाली के द्वारा किसानों द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थों को न केवल नष्ट होने से बचाया जा सकता है बल्कि उसका उचित मूल्य भी संभव है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. विद्युत वाहन (ई.वी.) भारत के लिये एक बहुत हितकारी क्षेत्र है क्योंकि इसमें तरल ईंधन की मांग को कम करने की क्षमता है। भारत में ई.वी. को अपनाए जाने में उत्पन्न अवसरों तथा चुनौतियों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Electric Vehicles (EV) are an area of huge interest to India as it holds the potential of reducing the demand for liquid fuel. Highlight the opportunities and challenges posed in the adoption of EVs in India. (250 words) 15

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidate
write on th

हाल ही में भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन (EV) नीति लाई गई, जिसका उद्देश्य 2030 तक EV को प्रभावी रूप से अपनाना है।

भारत के हित -

→ पर्यावरण संरक्षण संबंधी पेरिस समझौते के लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद।

→ ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक सशक्त कदम।

→ आर्थिक स्थायित्व। (व्यापार घाटे में कमी)

→ ध्वनि प्रदूषण को कम करने में सक्षम।

चूंकि भारत का अधिकांश पेट्रोल एवं डीजल वाहनों में प्रयुक्त होता है, जिससे न केवल प्रदूषण होता है बल्कि ऊर्जा सुरक्षा को भी बाह्य पक्ष में स्थानान्तरित करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चुनौतियाँ

→ भारत में EV से संबंधित पर्याप्त तकनीकी अनुसंधान का अभाव, जिससे पेटेन्ट संबंधी विवाद।

→ EV में प्रयुक्त लिथियम आयन बैटरी के लिए चीन, चिली जैसे राष्ट्रों पर निर्भरता।

→ चार्जिंग अवसंरचना का निर्माण नहीं हो पाना।

अवसर -

→ चूंकि भारत द्वारा विद्युत उत्पादन के लिए नवीकरणीय संसाधनों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जैसे - सौर ऊर्जा। अतः चार्जिंग के लिए स्वदेशी एवं हरित ऊर्जा का उपयोग संभव।

→ यदि भारत इस क्षेत्र में आगे बढ़ता है, तो भविष्य में पर्यावरण संबंधी उपायों को नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निष्कर्ष

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत का EV क्षेत्र में निवेश ~~सम्पूर्ण विकसित~~ सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक होगा। इसके लिए भारत सरकार ने FAME योजना चलाई है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation